भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †4031

सोमवार, 18 अगस्त, 2025/27 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

त्रिपुरा में जनजातीय समुदाय के लिए प्रयास

†4031. श्रीमती कृति देवी देबबर्मनः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा विशेषकर जनजातीय विरासत, पारिस्थितिकी पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन पर केंद्रित पहलों के माध्यम से त्रिपुरा में जनजातीय समुदायों को पर्यटन क्षेत्र में शामिल करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं;

(ख) पर्यटन के लाभों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए होमस्टे, स्थानीय गाइड सेवाओं और हस्तशिल्प की बिक्री को बढ़ावा देने हेतु उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार त्रिपुरा में इन समुदायों के लिए स्थायी आजीविका के सृजन के लिए पर्यटन को स्थानीय आर्थिक विकास का एक प्रमुख चालक बनाने के लिए किस प्रकार कार्य कर रही है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): वन्यजीव, जनजातीय और विरासत पर्यटन सहित पर्यटक स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', स्वदेश दर्शन की उप योजना 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)', 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' (एसीए) नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से इन प्रयासों को संपूरित करता है। उक्त योजनाओं के तहत निधियों की उपलब्धता, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्रस्तुति के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' नामक पहल के तहत भी पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के घटक - जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) के लिए उक्त योजना के कुल परिव्यय का 4.3% अर्थात 103 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं, जिसमें जनजातीय क्षेत्र उप-योजना के तहत 88 करोड़ रुपये और प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएम-जेयूजीए) के तहत 15 करोड़ रुपये शामिल हैं। व्यय का यह विशिष्ट शीर्ष मुख्य रूप से अनुसूचित जनजाति-बहुल क्षेत्रों में निवेश

सुनिश्चित करता है, जिससे सांस्कृतिक संरक्षण, आर्थिक उत्थान और समावेशी पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलता है। जनजातीय परिपथ विषय के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का उद्देश्य विशेष रूप से जनजातीय विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जनजातीय समुदायों को पर्यटन सेवा श्रृंखला में जोड़ना है, ताकि सतत और क्षेत्रीय रूप से संतुलित विकास में योगदान मिल सके।

वर्ष 2014-15 में शुरू की गई स्वदेश दर्शन योजना के तहत शुरुआत में विकास के लिए 15 विषयगत परिपथों को चिह्नित किया गया था, जिनमें प्रमुख विषय के रूप में इको-पर्यटन, वन्यजीव और जनजातीय परिपथ शामिल थे। जनजातीय परिपथ विषय के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का उद्देश्य विशेष रूप से जनजातीय विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जनजातीय समुदायों को पर्यटन सेवा श्रृंखला में जोड़ना है, ताकि सतत और क्षेत्रीय रूप से संतुलित विकास में योगदान मिल सके।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत त्रिपुरा राज्य सहित देश भर में स्वीकृत परिपथों का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

अवसंरचना विकास के अतिरिक्त, मंत्रालय ने जनजातीय क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन के लिए पीएम-जेयूजीए के तहत 'जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे का विकास' जैसी लक्षित पहल भी शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में 1,000 होमस्टे के निर्माण में सहायता प्रदान करना है, जिसमें ग्राम समुदाय की आवश्यकताओं के लिए 5 लाख रु., प्रति परिवार दो नए कमरों के निर्माण के लिए 5 लाख रु. और मौजूदा कमरों के नवीनीकरण के लिए 3 लाख रु. तक की वित्तीय सहायता के साथ-साथ होमस्टे मालिकों के तकनीकी प्रशिक्षण और कौशल विकास संबंधी प्रावधान शामिल हैं। इन उपायों का उद्देश्य स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देना और पर्यटन से जुड़ी आजीविका सृजन संबंधी चुनौतियों का व्यवस्थित रूप से समाधान करना है। अभी तक की स्थिति के अनुसार, पीएम-जेयूजीए होमस्टे पहल के तहत कोई निधि जारी नहीं की गई है।

अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को शुल्क में छूट दी जाती है। यह मंत्रालय द्वारा संचालित एक डिजिटल पहल है जिसका उद्देश्य देश भर में सुप्रशिक्षित और पेशेवर पर्यटक सुविधा प्रदाताओं और पर्यटक गाइडों का एक समूह तैयार करने के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच का सृजन करना है। यह प्रणाली उम्मीदवारों के लिए बुनियादी, उन्नत (विरासत और साहसिक), मौखिक भाषा और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रदान करती है।

पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयासों के तहत, प्रचार कार्यक्रमों, मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों को सहायता करता है और प्रदर्शनियों में भागीदारी, वेबसाइट, सोशल मीडिया आदि सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान डीपीपीएच योजना के तहत त्रिपुरा राज्य में पर्यटन मंत्रालय द्वारा समर्थित मेलों और महोत्सवों का विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

*****

अनुबंध-I

श्रीमती कृति देवी देबबर्मन द्वारा त्रिपुरा में जनजातीय समुदाय के लिए प्रयास के संबंध में दिनांक 18.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †4031 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	तटीय परिपथ 2016-17	लॉन्ग द्वीप - रॉस स्मिथ द्वीप - नील द्वीप - हैवलॉक द्वीप-बाराटांग द्वीप - पोर्ट ब्लेयर का विकास	27.57
2.	आंध्र प्रदेश	तटीय परिपथ 2014-15	काकीनाडा - होप आइलैंड - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य - पासरलापुडी - अडुरु - एस यानम - कोटिपल्ली का विकास	67.83
3.	आंध्र प्रदेश	तटीय परिपथ 2015-16	नेल्लोर - पुलिकट झील - उब्बलमाडुगु जल प्रपात - नेलापट्टू - कोठाकोडुरु - मायपाडु - रामतीर्थम - इस्कापल्ली का विकास	49.55
4.	आंध्र प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2017-18	बौद्ध परिपथ: शालीहुंडम - बाविकोंडा - बोज्जनकोंडा - अमरावती - अनूपु का विकास	35.24
5.	अरुणाचल प्रदेश	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2014-15	भालुकपोंग - बोमडिला और तवांग का विकास	49.77
6.	अरुणाचल प्रदेश	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	नफरा - सेप्पा - पप्पू, पासा, पक्के घाटियाँ - संगदूपोटा-न्यू सगाली - जीरो-योम्चा का विकास	96.72
7.	असम	वन्यजीव परिपथ 2015-16	मानस - प्रोबितोरा - नामेरी - काजीरंगा - डिब्रू - सैखोवा का विकास	94.68
8.	असम	विरासत परिपथ 2016-17	तेजपुर - माजुली - शिवसागर का विकास	90.98
9.	बिहार	तीर्थंकर परिपथ 2016-17	वैशाली - आरा - मसाद - पटना - राजगीर - पावापुरी - चंपापुरी का विकास	33.96
10.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	कांवरिया मार्ग: सुल्तानगंज - धर्मशाला - देवघर का विकास	44.76
11.	बिहार	बौद्ध परिपथ 2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
12.	बिहार	ग्रामीण परिपथ 2017-18	भितिहरवा - चंद्रहिया - तुर्कौलिया का विकास	44.27

13.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	44.55
14.	छत्तीसगढ़	जनजातीय परिपथ 2015-16	जशपुर - कुनकुरी - मैनपाट - कमलेशपुर - महेशपुर - कुर्दार - सरोधदादर - गंगरेल - कोंडागांव - नाथियानवागांव - जगदलपुर - चित्रकूट - तीर्थगढ़ का विकास	96.10
15.	गोवा	तटीय परिपथ 2016-17	सिंक्वेरिम - बागा, अंजुना - वागाटोर, मोरजिम - केरी, अगुआड़ा किला और अगुआड़ा जेल का विकास	97.65
16.	गोवा	तटीय परिपथ 2017-18	तटीय परिपथ II: रुआ डी ओरम क्रीक - डोना पाउला - कोलवा - बेनौलिम का विकास	99.35
17.	गुजरात	विरासत परिपथ 2016-17	अहमदाबाद - राजकोट - पोरबंदर - बारदोली - दांडी का विकास	59.17
18.	गुजरात	विरासत परिपथ 2016-17	वडनगर - मोढेरा का विकास	91.12
19.	गुजरात	बौद्ध परिपथ 2017-18	जूनागढ़ - गिर सोमनाथ - भरूच - कच्छ - भावनगर - राजकोट - मेहसाणा का विकास	26.68
20.	हरियाणा	कृष्ण परिपथ 2016-17	कुरुक्षेत्र में महाभारत से संबंधित स्थानों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास	77.39
21.	हिमाचल प्रदेश	हिमालयन परिपथ 2016-17	हिमालयन परिपथ: कियारीघाट, शिमला, हाटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा का विकास	68.34
22.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016-17	जम्मू - श्रीनगर - पहलगाम - भगवती नगर - अनंतनाग - सलामाबाद, उरी - कारगिल - लेह का विकास	77.33
23.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016-17	जम्मू-राजौरी-शोपियां-पुलवामा में पर्यटक सुविधाओं का विकास	81.60
24.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016-17	पर्यटक सुविधाओं का विकास - पीएम विकास पैकेज के तहत 2014 में बाढ़ में नष्ट हुई परिसंपत्तियों के बदले परिसंपत्तियों का निर्माण	90.43
25.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016-17	मंतलाई और सुधमहादेव में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.99
26.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016-17	अनंतनाग - पुलवामा - किश्तवर - पहलगाम - जांस्कर पदुम - दक्सुम - रंजीत सागर बांध में पर्यटक सुविधाओं का विकास	86.39
27.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016-17	गुलमर्ग - बारामूला - कुपवाड़ा - कारगिल - लेह में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.84

28.	झारखंड	इको परिपथ 2018-19	इको पर्यटन परिपथ: दलमा - बेतला नेशनल पार्क - मिरचैया - नेतरहाट का विकास	30.44
29.	केरल	इको परिपथ 2015-16	पथनमथिट्टा - गवी - वागामोन - तेक्कडी का विकास	64.08
30.	केरल	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	सबरीमाला - एरुमेली - पम्पा - सन्निधानम का विकास	46.54
31.	केरल	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	श्रीपद्मनाभ अर्नामूला का विकास	78.08
32.	केरल	ग्रामीण परिपथ 2018-19	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35
33.	केरल	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	शिवगिरी श्री नारायण गुरु आश्रम - अरुवीपुरम - कुन्नुमपारा श्री सुब्रह्मनिया - चेम्बझंथी श्री नारायण गुरुकुलम का विकास	66.42
34.	मध्य प्रदेश	वन्यजीव परिपथ 2015-16	पन्ना-मुकुंदपुर-संजय-दुबरी- बांधवगढ़-कान्हा - मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10
35.	मध्य प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2016-17	सांची - सतना - रीवा - मंदसौर - धार का विकास	74.02
36.	मध्य प्रदेश	विरासत परिपथ 2016-17	ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	89.82
37.	मध्य प्रदेश	इको परिपथ 2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध - भेड़ाघाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.76
38.	महाराष्ट्र	तटीय परिपथ 2015-16	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), मितभव का विकास	19.06
39.	महाराष्ट्र	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	वाकी - अदासा - धापेवाड़ा - पारदसिंघा - तेलनखेडी - गिराड का विकास	45.47
40.	मणिपुर	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	मणिपुर में पर्यटक परिपथ: इम्फाल -खोंगजोम का विकास	72.23
41.	मणिपुर	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	श्री गोविंदजी मंदिर, श्री बिजॉय गोविंदजी मंदिर - श्री गोपीनाथ मंदिर - श्री बंगशीबोदोन मंदिर - श्री कैना मंदिर का विकास	45.34
42.	मेघालय	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2016-17	उमियम (लेक व्यू), यू लुम सोहपेटबनेंग - मावडियांगडियांग - आर्किड लेक रिज़ॉर्ट का विकास	99.13
43.	मेघालय	उत्तर-पूर्वी	वेस्ट खासी हिल्स (नोंगखलाव- क्रेम तिरोट -	84.97

		परिपथ 2018-19	खुदोई और कोहमांग जलप्रपात - खरी नदी-मावथाद्रीशन, शिलांग), जयंतिया हिल्स (क्रांग सूरी फॉल्स- शिरमंग-इयूक्सी), गारो हिल्स (नोकरेक रिजर्व, कट्टाबील, सिजू गुफाएं) का विकास	
44.	मिजोरम	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	थेनजोल और साउथ ज़ोटे, जिला सेरछिप और रईक का विकास	92.26
45.	मिजोरम	इको परिपथ 2016-17	इको-एडवेंचर परिपथ आइजोल -रावपुइचिप - खवफाप - लेंगपुई - चटलांग- सकाव्रहमुइटुइतलांग - मुथी - बेराटलांग - तुइरियल एयरफील्ड - हमुइफांग का विकास	66.37
46.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2015-16	जनजातीय परिपथ पेरेन- कोहिमा- वोखा का विकास	97.36
47.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2016-17	मोकोकचुंग - तुएनसांग - मोन का विकास	98.14
48.	ओडिशा	तटीय परिपथ 2016-17	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और तंपारा का विकास	70.82
49.	पुडुचेरी	तटीय परिपथ 2015-16	दुबरियापेट - अरिकमेडु - वीरमपट्टिनम - चुन्नम्बर - नल्लावाडु/नरमबाई - मनापेट - कालापेट - पुडुचेरी - यानम का विकास	58.44
50.	पुडुचेरी	विरासत परिपथ 2017-18	फ्रेंको - तमिल गांव, कराईकल, माहे और यानम का विकास	49.44
51.	पुडुचेरी	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	पुडुचेरी में आध्यात्मिक परिपथ का विकास	34.96
52.	पंजाब	विरासत परिपथ 2018-19	आनंदपुर साहिब - फतेहगढ़ साहिब - चमकौर साहिब - फिरोजपुर - खटकर कलां - कलानौर - पटियाला का विकास	85.32
53.	राजस्थान	मरुस्थल परिपथ 2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01
54.	राजस्थान	कृष्ण परिपथ 2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	75.80
55.	राजस्थान	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	आध्यात्मिक परिपथ - 'चुरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05

56.	राजस्थान	विरासत परिपथ 2017-18	विरासत परिपथ राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले के अग्रभाग में प्रकाश व्यवस्था) -झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास	70.61
57.	सिक्किम	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	रंगपो (प्रवेश) - रोराथांग - अरितार - फादमचेन - नाथंग - शेराथांग - सोंगमो - गंगटोक - फोडोंग - मंगन - लाचुंग -युमथांग - लाचेन - थांगु - गुरुडोंगमेर - मंगन - गंगटोक - तुमिनलिंगी - सिंगतम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	98.05
58.	सिक्किम	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2016-17	सिंगटम-मका-टेमी - बेरमोइक टोकेल - फोंगिया - नामची - जोरथांग - ओखारे - सोम्बारिया - दारमदिन - जोरेथांग - मेल्ली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	95.32
59.	तमिलनाडु	तटीय परिपथ 2016-17	(चेन्नई - मामल्लापुरम - रामेश्वरम - मानपाडु - कन्याकुमारी) का विकास	73.13
60.	तेलंगाना	इको परिपथ 2015-16	महबूबनगर जिले में इको पर्यटन परिपथ का विकास	91.62
61.	तेलंगाना	जनजातीय परिपथ 2016-17	मुलुगु - लकनावरम - मेदवरम - तड़वई - दमारवी - मल्लूर - बोगाथा झरनों का विकास	79.87
62.	तेलंगाना	विरासत परिपथ 2017-18	कुतुबशाही विरासत पार्क-पैगाह मकबरे- हयात बख्शी मस्जिद - रेमंड का मकबरा का विकास	96.90
63.	त्रिपुरा	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	अगरतला - सिपाहीजला - मेलाघर - उदयपुर - अमरपुर - तीर्थमुख - मंदिरघाट - डंबूर - नारिकेलकुंज - गंडाचरा - अंबासा का विकास	82.85
64.	त्रिपुरा	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2018-19	सूरमाचेर्रा - उनाकोटी - जम्पुई हिल्स - गुनाबती - भुवनेश्वरी-नीरमहल - बॉक्सनगर - चोट्टाखोला - पिलक - अवांगचारा का विकास	44.83
65.	उत्तर प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89
66.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2016-17	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45
67.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	आहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी (उन्नाव)- प्रतापगढ़-कौशांबी-मिर्जापुर - गोरखपुर - डुमरियागंज - बस्ती - बाराबंकी - आजमगढ़ - कैराना - बागपत - शाहजहांपुर का विकास	71.91

68.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	बिजनौर-मेरठ-कानपुर - कानपुर देहात - बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर- घोसी - बलिया - अम्बेडकर नगर-अलीगढ़-फतेहपुर-देवरिया-महोबा- सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही का विकास	67.51
69.	उत्तर प्रदेश	विरासत परिपथ 2016-17	कालिंजर किला (बांदा) - मगहरधाम (संतकबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुअर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	36.65
70.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का विकास	127.21
71.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास	12.03
72.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30
73.	उत्तराखंड	इको परिपथ 2015-16	टिहरी झील और निकटवर्ती क्षेत्रों का नए गंतव्य के रूप में विकास के लिए इको-पर्यटन, एडवेंचर स्पोर्ट्स और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास - जिला टिहरी	69.17
74.	उत्तराखंड	विरासत परिपथ 2016-17	कुमाऊं क्षेत्र में विरासत परिपथ - कटारमल - जोगेश्वर - बैजनाथ - देवीधुरा का एकीकृत विकास	76.32
75.	पश्चिम बंगाल	तटीय परिपथ 2015-16	तटीय परिपथ: उदयपुर - दीघा - शंकरपुर - ताजपुर - मंदारमणि - फ्रेजरगंज - बक्खलाई - हेनरी द्वीप का विकास	67.99
76.	-	मार्गस्थ सुविधाएं 2018-19	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी - गया; कुशीनगर - गया - कुशीनगर में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास	17.50
			कुल राशि	**5290.33**

नोट:- क्र.सं. 33 पर उल्लिखित परियोजना को छोड़कर उपर्युक्त सभी परियोजनाओं के भौतिक रूप से पूरा होने की सूचना दी गई है।

****

अनुबंध-II

श्रीमती कृति देवी देबबर्मन द्वारा त्रिपुरा में जनजातीय समुदाय के लिए प्रयास के संबंध में दिनांक 18.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †4031 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पिछले पांच वर्षों के दौरान डीपीपीएच योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा समर्थित मेलों और महोत्सवों का विवरण निम्नानुसार है:

(लाख रु. में)

राज्य का नाम	**वर्ष**	**मेलों और महोत्सवों के नाम**	**स्वीकृत राशि**
त्रिपुरा	2020-21	भारत बांग्ला महोत्सव	25.00
	2022-23	नीरमहल महोत्सव	10.00
		दिवाली महोत्सव	5.00
		चबीमुरा महोत्सव	5.00
	2023-24	नीरमहल महोत्सव	9.80
		दिवाली महोत्सव	9.55
		चबीमुरा महोत्सव	3.00
	2024-25	दिवाली महोत्सव	20.00
		चबीमुरा और तीर्थमुख महोत्सव	12.00
		अशोकाष्टमी महोत्सव	5.00
		चपचारकूट महोत्सव	5.00

******